भाग क

कार्यक्रम विवरण

3. बी.ए. ऑनर्स इतिहास

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम, सीबीसीएस) लागू करने वाली सबसे पहले विश्वविद्यालयों में से एक है, जिसके अंतर्गत छात्रों के पास निर्धारित पाठ्यक्रमों का चयन करने का विकल्प होगा। 2019 में 10-अंक ग्रेडिंग प्रणाली पर आधारित छात्र मूल्यांकन व सेमेस्टर प्रणाली की शुरुआत के साथ, इग्नू ने केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों के साथ संगठित होकर विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीबीसीएस) को देशभर में स्नातक स्तर पर लागू करना प्रारम्भ कर दिया है।

जनवरी 2020 से सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ और मानविकी विद्यापीठ सीबीसीएस के तहत स्नातक कार्यक्रम प्रस्तावित कर रहे हैं। इतिहास में बी.ए. कार्यक्रम (कार्यक्रम कोडः बी.ए.एच. आई.एच.) में कुल 26 पाठ्यक्रम हैं, जिनमें से 18 इतिहास पाठ्यक्रम, 4 अंतर्विषयक पाठ्यक्रम, और दो योग्यता और कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम हैं। कार्यक्रम छात्रों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जिसमें छात्रों के पास निर्धारित पाठ्यक्रमों का चयन करने का विकल्प होगा जिसे वह अपने हिसाब से सीख सकते हैं और सीखने के लिए अंतर्विषयक दृष्टिकोण को अपना सकते हैं। यह एक विद्यार्थी-केंद्रित कार्यक्रम है जिसमें नम्यता, विकल्प, परिवर्तनीयता और रोजगार योग्यता अन्तर्निहित हैं।

3.1 अवधि

कार्यक्रम को न्यूनतम तीन वर्षों में और अधिकतम छह वर्षों में पूरा किया जा सकता है।

3.2 शिक्षा का माध्यम

यह कार्यक्रम अंग्रेजी और हिंदी दोनों माध्यमों में उपलब्ध है। आपको प्रवेश हेतु आवेदन पत्र में अपने शिक्षा के माध्यम के विकल्प को अवश्य उल्लेखित करना होगा। हालांकि आप अपने विकल्प को विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित राशि के भुगतान के बाद अध्ययन सामग्री की पहली रसीद के एक महीने के भीतर बदल सकते हैं।

3.3 क्रेडिट

इग्नू में हम क्रेडिट प्रणाली अपनाते हैं। प्रत्येक क्रेडिट विद्यार्थी द्वारा 30 अध्ययन घंटों – सभी शिक्षण गतिविधियों को मिलाकर – के बराबर है (मुद्रण सामग्री को पढ़ना और समझना, श्रव्य या ऑडियो आधारित सामग्री का श्रवण करना, वीडियो आधारित सामग्री देखना, परामर्श सत्र में भाग लेना, ट्यूटोरियल या प्रयोगशाला गतिविधियों को पूरा करना, और असाइनमेंट प्रतिक्रियाओं को लिखना)।

3.4 बी.ए. ऑनर्स कार्यक्रम की संरचना

इतिहास में बी.ए. ऑनर्स कार्यक्रम विद्यार्थियों को एक मजबूत नींव प्रदान करने के लिए विकसित किया गया है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों में इतिहास के अध्ययन की भावना अंतर्निविष्ट करने के लिए विकसित किया गया है, जिसपर वह अपने इतिहास में उच्च अध्ययन के वर्षों की नींव रखेंगे। इस कार्यक्रम के तहत भारतीय, यूरोपीय, सुदूर पूर्वी और पर्यावरण इतिहास की समझ प्रदान करने का प्रयास किया जाएगा।

यह कार्यक्रम 148 क्रेडिट का है और पांच प्रकार के पाठ्यक्रमों का मिश्रण हैः 14 आधार पाठ्यक्रम, 8 ऐच्छिक पाठ्यक्रम (4 विषय आधारित ऐच्छिक पाठ्यक्रम और 4 सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम), और योग्यता संवर्द्धक पाठ्यक्रम (दो योग्यता संवर्द्धक अनिवार्य पाठ्यक्रम)। जबकि प्रत्येक योग्यता संवर्द्धक अनिवार्य पाठ्यक्रम और कौशल संवर्द्धक पाठ्यक्रम 4 क्रेडिट के हैं, इस कार्यक्रम के अन्य सारे पाठ्यक्रम 6 क्रेडिट के हैं।

3.4.1 आधार पाठ्यक्रम

इतिहास विषय-विशेष के सभी मुख्य क्षेत्र इस कार्यक्रम के 14 आधार पाठ्यक्रम में सम्मिलित हैं। यह आधार पाठ्यक्रम मूल रूप से व्यवस्थित किए गए हैं, और यह भारतीय और यूरोपीय इतिहास को सम्मिलित करते हैं। भारतीय इतिहास के पाठ्यक्रमों को कालानुक्रम के अनुसार व्यवस्थित किया गया है, जो कि प्राचीन इतिहास से लेकर आधुनिक इतिहास की अवधि को

समाविष्ट करता है। आधुनिक पश्चिम के उदय से संबंधित पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को प्रारंभिक आधुनिक यूरोप में हुए विकास के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं।

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का शीर्षक
1	बीएचआईसी-101: भारत का इतिहास-I बीएचआईसी-102: प्राचीन विश्व की सामाजिक संरचना और सांस्कृतिक पैटर्न
2	बीएचआईसी-103: भारत का इतिहास-II बीएचआईसी-104: मध्यकालीन विश्व की सामाजिक संरचना और सांस्कृतिक पैटर्न
3	बीएचआईसी-105: भारत का इतिहास-III (लगभग 750-1206) बीएचआईसी-106: आधुनिक पश्चिम का उदय-I बीएचआईसी-107: भारत का इतिहास-IV (लगभग 1206-1550)
4	बीएचआईसी-108: आधुनिक पश्चिम का उदय-II बीएचआईसी-109: भारत का इतिहास-V (लगभग 1550-1605) बीएचआईसी-110: भारत का इतिहास-VI (लगभग 1750-1857)
5	बीएचआईसी-111: आधुनिक यूरोप का इतिहास (लगभग 1780-1939) बीएचआईसी-112: भारत का इतिहास-VII (लगभग 1605-1750)
6	बीएचआईसी-113: भारत का इतिहास- VIII (लगभग 1857-1950) बीएचआईसी-114: आधुनिक यूरोप का इतिहास-II (लगभग 1780-1939)

3.4.2 विषय आधारित ऐच्छिक पाठ्यक्रम

14 आधार पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त, इस कार्यक्रम में आपको 4 विषय आधारित ऐच्छिक पाठ्यक्रम भी पढ़ने होंगे। यह इतिहास विषय प्रमुख एक पाठ्यक्रम हैं जो विभिन्न देशों के पृथक इतिहास के बारे में आपकी समझ को बढ़ाने का प्रयास करेंगे। भारत के पर्यावरण पर आधारित पाठ्यक्रम आपको भारतीय इतिहास में परिस्थिति विज्ञान और पर्यावरण से संबंधित विभिन्न विषय और चिंताओं से ज्ञात कराने का प्रयास करेगा। और फिर, भारत में इतिहास लेखन की परंपराओं पर आधारित पाठ्यक्रम आपको कैसे बीते वर्षों में भारत में विभिन्न विचार संप्रदायों ने अपनी इतिहास लेखन की परंपराओं की रचना की है इसकी समीक्षा कराएगा।

विषय आधारित ऐच्छिक पाठ्यक्रम कार्यक्रम के तीसरे वर्ष में, अर्थात्, पांचवें और छठे सेमेस्टर में प्रस्तावित किए जाएंगे। प्रत्येक सेमेस्टर में सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ तीन विषय आधारित ऐच्छिक पाठ्यक्रम प्रस्तावित करेगा, परंतु, आपको प्रत्येक सेमेस्टर में उनमें से किन्हीं दो विषय आधारित ऐच्छिक पाठ्यक्रमों को पढ़ना होगा।

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का शीर्षक
5	बीएचआईई-141: चीन का इतिहास (लगभग 1840-1978) बीएचआईई-142: आधुनिक पूर्वी एशिया का इतिहासः जापान (लगभग 1868-1945)
6	बीएचआईई-143: पर्यावरण इतिहास बीएचआईई-144: भारत में इतिहास लेखन की परंपराएं

3.4.3 योग्यता संवर्द्धक और कौशल संवर्द्धक अनिवार्य पाठ्यक्रम

जैसा कि नाम से ज्ञात होता है यह अनिवार्य पाठ्यक्रम हैं जिन्हें आप को पढ़ना होगा, कार्यक्रम के पहले और दूसरे सेमेस्टर, प्रत्येक में, एक पाठ्यक्रम को पढ़ना होगा। प्रत्येक योग्यता संवर्द्धक और कौशल संवर्द्धक अनिवार्य पाठ्यक्रम (एबिलिटी एंड स्किल एनहैंसमेंट कंपलसरी कोर्स, एईसीसी) 4 क्रेडिट का है। यह पाठ्यक्रम हैं: **बीएवीएई-181: पर्यावरण अध्ययन**। दूसरे सेमेस्टर में **बीईजीएई-182: अंग्रेजी संचार कौशल** या फिर **बीएचडीएई-182: हिंदी भाषा और संप्रषण**, दोनों में से एक का विकल्प चुन सकते हैं। तीसरे सेमेस्टर में आप **पर्यटन विज्ञान** पर आधारित पाठ्यक्रम चुन सकते हैं (**बीएएनएस-183**)। चौथे सेमेस्टर में आप **नृवंशविज्ञान फिल्म बनाने की तकनीक** पर आधारित पाठ्यक्रम को चुन सकते हैं (**बीएसओएस-184**)।

3.4.5 सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम

सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम (जेनेरिक इलेक्टिव, जी.ई.) अंतर्विषयक पाठ्यक्रम हैं जिन्हें सामाजिक विज्ञान, मानविकी, और विज्ञान के विभिन्न अनुशासनों द्वारा विशेष रूप से विकसित किया गया है। इनका उद्देश्य अन्य अनुशासनों या विषय-विशेष के प्रति अनावरण प्रदान करना है।

चार सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम जो प्रस्तावित किए जा रहे हैं, क्रम नुसार इस प्रकार हैं:

बीएसओजी-171: भारतीय समाजः छवियां और एवं वास्तविकताएं

बीजीडीजी-172: लिंग संवेदीकरणः समाज और संस्कृति

बीएसओजी-173: विकास पर पुनर्विचार

बीपीएजी-174: सतत विकास

विद्यार्थियों को अधिक से अधिक विकल्प प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय ने समय-समय पर अध्ययन सूची में नए कौशल संवर्द्धक पाठ्यक्रम (स्किल एनहैंसमेंट कोर्स, एस.ई.सी.) और सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम (जेनेरिक इलेक्टिव, जी.ई.) जोड़ेगा। दूसरे वर्ष की पुनः रजिस्ट्रेशन के समय इन विकल्पों से विद्यार्थियों को अवगत कराया जाएगा।

ignou
THE PEOPLE'S
UNIVERSITY